an>

Title: Need to take effective steps to curb trafficking of children in the country.

श्री रमेश चन्द्र कौशिक (सोनीपत)ः हम आए दिन अखबारों और सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर बच्चों के लापता होने की खबरे पढ़ते हैं। शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जिस दिन देश में बच्चों के लापता होने की खबरें नहीं आती हों। दिन-ब-दिन इस तरह की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। खासकर बच्चियों के अपहरण होने की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। देखने में आता है कि दिल्ली, मुम्बई जैसे महानगरों में छोटे-छोटे बच्चे अक्सर गाड़ियों को साफ करते और भीख मांगते दिखाई पड़ते हैं। कई बार इतनी कम उम्र में नशा करते दिखाई देते हैं। कम उम्र की बच्चियों को जबरन वेश्यावृति कराने की खबरें भी आती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे देश का हर एक बच्चा सुरक्षित है, क्या उसका बचपन सुरक्षित है? सरकार ने बच्चों खासकर बच्चियों के लिए "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ " जैसी योजना की शुरूआत की है। मैं सरकार को ऐसी पहल करने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं ऐसे राज्य से आता हूं जहां लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या बहुत कम है। बच्चे देश का भविष्य होते हैं, न जाने कौन सा बच्चा कल देश की तकदीर लिखे, देश का प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति बने। इसलिए सरकार को देश की भावी धरोहरों को सजोने के लिए कदम उठाने चाहिए। बाल तस्करी और बाल मजदूरी जैसे अमानवीय कृत्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगानी चाहिए। इसके लिए सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाने चाहिए और कड़े से कड़े कानून बनाने चाहिए जिससे कोई भी बचपन के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश भी न कर सके। ऐसा करके ही बच्चों के बचपन को अंधकार में डूबने से बचाया जा सकता है।